MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE:16 DECEMBER 2025

विजय दिवस की पूर्व संध्या पर जनसंचार विभाग के प्रायोगिक पत्र 'पहल' के बांग्लादेश विशेषांक का लोकार्पण

जब दूसरे समाप्त हो जाते हैं, तब आतंक अपनों को भी नहीं छोड़ता : तिवारी

■ रील और सरोकारहीन विषय वस्तु से जूझ रही है पत्रकारिता : रावी

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

'बंगलादेश विजय दिवस' की पूर्व संध्या पर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के प्रायोगिक पत्र 'पहल' के बांग्लादेश विशेषांक का लोकार्पण विश्वविद्यालय परिसर स्थित भारत रत्न लता मंगेश्कर सभागार में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में बीबीसी के पूर्व वरिष्ठ पत्रकार सलमान रावी, बंगाली एसोसिएशन कालीबाड़ी के महासचिव सलिल चटर्जी तथा

विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. विजय मनोहर तिवारी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. तिवारी ने अध्ययनशीलता, प्रयोगधर्मिता और समसामयिक विषयों की गहन पड़ताल पर बल देते हुए कहा कि बांग्लादेश के संदर्भ में यह स्पष्ट होता है कि जब अन्य विकल्प समाप्त हो जाते हैं, तब आतंकवाद अपनों को भी नहीं छोड़ता। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे पत्रकारिता को केवल सूचना नहीं, बल्कि जिम्मेदार सामाजिक हस्तक्षेप के रूप में देखें।

विद्यार्थियों को शोध, मुद्दों की गहरी समझ जरूरी

बीबीसी के पूर्व विशेषज्ञ संवाददाता सलमान रावी ने कहा कि आज की पत्रकारिता का सबसे बड़ा संघर्ष रील, मीम और सरोकार-विहीन कंटेंट की बाढ़ से है। उन्होंने कहा कि ऐसे दौर में पत्रकारिता के विद्यार्थियों को शोध, मुद्दों की गहरी समझ और संदर्भ के साथ प्रस्तुति की क्षमता विकसित करनी होगी, तभी वे विश्वसनीयता और प्रभाव दोनों बनाए रख सकेंगे।

लेखनी में संवेदनशीलता जरूरी

बंगाली एसोसिएशन कालीबाड़ी के महासचिव सलिल चटर्जी ने बांग्लादेश की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वतंत्रता के समय की सकारात्मक सोच किस प्रकार धीरे-धीरे कट्टरता की ओर बढ़ती गई। उन्होंने बांग्लादेश में बंगाली समुदाय के साथ हो रहे अन्याय और उनकी घटती जनसंख्या पर भी चिंता व्यक्त की। पहल के इस विशेषांक की सराहना करते हुए उन्होंने नवोदित पत्रकारों से कहा कि उनकी लेखनी में सवाल पूछने का साहस और पीड़ितों के दुःख को अभिव्यक्त करने की संवेदनशीलता दोनों का संतुलन होना चाहिए। कार्यक्रम में पहल की प्रकाशन प्रक्रिया से जुड़े विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, कुलसचिव डॉ.पी.शशिकला एवं प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महक पवानी और मानसी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन पहल की संपादकीय टीम के समन्वयक शातनु सिंह ने प्रस्तुत किया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH'16 DECEMBER.2025

एमसीयू में 'पहल' के बांग्लादेश विशेषांक का लोकार्पण

रील-मीम्स पत्रकारिता का सबसे बड़ा संघर्ष

पत्रिका plus रिपोर्टर
patrika.com

भोपाल. 'बांग्लादेश विजय दिवस' की पूर्व संध्या पर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के प्रायोगिक पत्र 'पहल' के बांग्लादेश विशेषांक का लोकार्पण विश्वविद्यालय परिसर स्थित भारत रत्न लता मंगेश्कर सभागार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सलमान रावी, बंगाली एसोसिएशन कालीबाड़ी के महासचिव सलिल चटर्जी तथा विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. विजय मनोहर तिवारी ने संबोधित किया। कुलगुरु प्रो. तिवारी ने अध्ययनशीलता, प्रयोगधर्मिता और समसामयिक विषयों की गहन पड़ताल पर बल देते हुए कहा कि बांग्लादेश के संदर्भ में यह स्पष्ट होता है कि जब अन्य विकल्प समाप्त हो जाते हैं, तब आतंकवाद अपनों को भी नहीं छोड़ता। सलमान रावी ने कहा कि आज की पत्रकारिता का सबसे बड़ा संघर्ष रील, मीम और सरोकार-विहीन कंटेंट की बाढ़ से है। सलिल चटर्जी ने बांग्लादेश की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए बताया कि स्वतंत्रता के समय की सकारात्मक सोच किस प्रकार धीरे-धीरे कट्टरता की ओर बढ़ती गई।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PATRIKA'16 DECEMBER.2025

बांग्लादेश विजय दिवस की पूर्व संध्या पर 'पहल' विशेषांक का लोकार्पण

जनसंचार विभाग के प्रायोगिक पत्र में विद्यार्थियों को पत्रकारिता में जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का संदेश

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के प्रायोगिक पत्र 'पहल' के बांग्लादेश विशेषांक का लोकार्पण विश्वविद्यालय परिसर स्थित भारत रत्न लता मंगेश्कर सभागार में हुआ।

इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. विजय मनोहर तिवारी, बीबीसी के पूर्व वरिष्ठ पत्रकार सलमान रावी और बंगाली एसोसिएशन कालीबाड़ी के महासचिव सलिल चटर्जी उपस्थित रहे।

कुलगुरु प्रो. तिवारी ने कहा कि बांग्लादेश के इतिहास में यह स्पष्ट होता है कि जब अन्य विकल्प समाप्त हो जाते हैं, तब आतंकवाद अपनों को भी नहीं छोड़ता। उन्होंने विद्यार्थियों से पत्रकारिता को केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि जिम्मेदार सामाजिक हस्तक्षेप के रूप में अपनाने का आग्रह किया। सलमान रावी ने आज की पत्रकारिता की सबसे बड़ी चुनौती रील, मीम और सरोकार-विहीन कंटेंट बताया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को शोध, गहरी समझ और संदर्भ के साथ प्रस्तुति की क्षमता विकसित करनी होगी, तभी वे विश्वसनीयता बनाए रख सकते हैं।

सलिल चटर्जी ने बांग्लादेश की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और बंगाली समुदाय पर घटते अन्याय के उदाहरण साझा किए। उन्होंने नवोदित पत्रकारों को सवाल पूछने का साहस और पीड़ितों के दुःख को अभिव्यक्त करने की संवेदनशीलता बनाए रखने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने प्रकाशन प्रक्रिया और अनुभव साझा किए। संचालन महक पवानी और मानसी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन शांतनु सिंह ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष और प्राध्यापक गण भी उपस्थित रहे।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'DANIK NAIDUNIYA'16 DECEMBER.2025

रील और सरोकारहीन कंटेंट से जूझ रही है पत्रकारिताः सलमान रावी

जब दूसरे समाप्त हो जाते हैं, तब आतंक अपनों को भी नहीं छोड़ता : तिवारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विजय दिवस की पूर्व संध्या पर एमसीयू के जनसंचार विभाग के प्रायोगिक पत्र पहल के बांग्लादेश विशेषांक का लोकार्पण

बांग्लादेश विजय दिवस की पूर्व संध्या पर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के प्रायोगिक पत्र पहल के बांग्लादेश विशेषांक का लोकार्पण हुआ। कार्यक्रम में बीबीसी के पूर्व वरिष्ठ पत्रकार सलमान रावी, बंगाली एसोसिएशन कालीबाड़ी के महासचिव सलिल चटर्जी तथा विवि के कुलगुरु प्रो. विजय मनोहर तिवारी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। कुलगुरु प्रो. तिवारी ने अध्ययनशीलता, प्रयोगधर्मिता और समसामयिक विषयों की गहन पड़ताल पर बल देते हुए कहा कि बांग्लादेश के संदर्भ में यह स्पष्ट होता है कि जब अन्य विकल्प समाप्त हो जाते हैं, तब आतंकवाद अपनों को भी नहीं छोड़ता। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे पत्रकारिता को केवल सूचना नहीं, बल्कि जिम्मेदार सामाजिक हस्तक्षेप के रूप में देखें। बीबीसी के पूर्व विशेषज्ञ संवाददाता सलमान रावी ने कहा कि आज की पत्रकारिता का सबसे बड़ा संघर्ष रील, मीम और सरोकार-विहीन कंटेंट की बाढ़ से है। उन्होंने कहा कि ऐसे दौर में पत्रकारिता के विद्यार्थियों को शोध, मुद्दों की गहरी समझ और संदर्भ के साथ प्रस्तुति की क्षमता विकसित करनी होगी।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'HARIBHOOMI'16 DECEMBER.2025

दैनिक भास्कर भोपाल सिटी भास्कर 16-12-2025

विजय दिवस: एमसीयू के विद्यार्थियों ने उकेरी बांग्लादेश की व्यथा

सिटी रिपोर्टर • माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विवि (एमसीयू) में जनसंचार के विद्यार्थियों ने बांग्लादेश की मानवीय व्यथा को एक पोस्टर पर उकेरा है, जिसका शीर्षक है-'एक हसीना, एक तसलीमा।' विद्यार्थियों ने कोई लंबी कहानी कहे बिना बांग्लादेश की हकीकत चंद शब्दों में बयान की। बांग्लादेश की ये दोनों हाई प्रोफाइल महिलाएं अपनी जान बचाने के लिए भारत की शरण में हैं। तसलीमा की आधी उम्र अपनी जान बचाते हुए भारत में ही गुजर गई है।

विजय दिवस (16 दिसंबर) के अवसर पर 8 पेज की इस क्रिएटिव

'सरोकारहीन कंटेंट से जूझ रही पत्रकारिता'

जनसंचार विभाग के प्रायोगिक पत्र पहल के बांग्लादेश विशेषांक का लोकार्पण

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के प्रायोगिक पत्र पहल के बांग्लादेश विशेषांक का लोकार्पण विश्वविद्यालय परिसर स्थित भारत रत्न लता मंगेश्कर सभागार में हुआ। कार्यक्रम में बीबीसी के पूर्व वरिष्ठ पत्रकार सलमान रावी, बंगाली एसोसिएशन कालीबाड़ी के महासचिव सलिल चटर्जी और कुलगुरु प्रो. विजय मनोहर तिवारी ने विद्यार्थियों को संबोधित किया।

सलमान रावी ने कहा कि आज पत्रकारिता सबसे बड़े संकट-रील, मीम और सरोकारहीन कंटेंट-से जूझ रही है। उन्होंने विद्यार्थियों को शोध, गहन समझ और संदर्भ के साथ प्रस्तुति क्षमता विकसित करने की आवश्यकता बताई। सलिल चटर्जी ने

विजय मनोहर तिवारी वक्तव्य देते हुए।

बांग्लादेश की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और स्वतंत्रता के समय की सकारात्मक सोच से कट्टरता की ओर बढ़ने की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। कुलगुरु प्रो. तिवारी ने कहा कि पत्रकारिता को केवल सूचना नहीं बल्कि जिम्मेदार सामाजिक हस्तक्षेप के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए अध्ययनकाल यादगार बन जाए, यही कोशिश है। अभी हमने लाजवाब कार्टून शो किया

था। कार्यक्रम में पहल की प्रकाशन प्रक्रिया में शामिल विद्यार्थियों ने अनुभव साझा किए। विवि के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, कुलसचिव डा. पी. शशिकला व प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महक पवानी और मानसी ने किया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAVDUNIYA'16 DECEMBER.2025